[Shri Somnath Chatterjee]

Calcutta Office. The proposed move will also prejudicially affect the existing agreement with the employees through their recognised Union, viz., Shipping Corporation Employees' Union (Calcutta). I call upon the Government to desist from such a move, if there is any proposal to that effect and to make a statement allaying the apprehensions of the employees at the Calcutta office.

(vi) CRISIS IN MICA INDUSTRY

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : अभ्रक उद्योग गंभीर संकट से होकर गुजर रहा है। इसके छोटे व्यापारियों की लूट सबसे अधिक हो रही है। माइका ट्रेडिंग कार्पोरेशन आफ इंडिया अपने अभ्रक की आपूर्ति करने वाले व्यापारियों को इतना कम मूल्य दे रहा है कि वे अपने मजदूरों को सरकार द्वारा तै निम्नतम मजदूरी भी नहीं दे पा रहे हैं। फलस्वरूप हजारों मजदूरों के सामने भुखमरी की समस्या उत्पन्न है। इस संकट से प्रभावित होकर अभ्रक मालिक हजारों मजदूरों की छंटनी भी कर रहे हैं।

12.24 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

मिटको की अभ्रक व्यापार एवं मजदूर विरोधी इस नीति का परिणाम यह हो रहा है कि एक बड़ी संख्या में इसके व्यापारी इस उद्योग को छोड़कर भाग रहे हैं तथा बहुत से दूसरे व्यापारी अपने लाइसेंसों का दुरुपयोग कर अभ्रक के गैर कानूनी धंधे में लग गए हैं।

एफ० ए० एस० और मिटको द्वारा निर्धारित अभ्रक के मूल्यों में 25से 48.4 प्रतिशत तक का अन्तर है। मूल्यों के इस अन्तर के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं :—

माइका सिलटिंग	विदेशी मूल्य ए० पी०	मिटको मूल्य	मू यों में कमी
नं० 4 1/2 डी०एल०	49.96	37.50	25 प्रतिशत
नं० 5 डी०एल०	44.95	29.50	34.3 प्रतिशत
नं० 5 1/2 डी०एल०	15.89	10.25	35.4 ,,
नं० 6 डी० एल०	10.40	5.35	45.4 ,,
नं० 6 फर्स्ट लूज	8.27	5.00	39.5 ,,
नं० 6 इंटर लूज	7.08	4.55	35.6 ,,
नं० 6 सेकण्ड लूज	5.92	3.80	35.8 ,,
नं० 6 थर्ड लूज	4.72	3.07	35 ,,

इस चार्ट से यह स्पष्ट है कि एफ० एस० एस० और मिटको के मूल्यों में एम० एम० टी० सी० के जमाने के मूल्यों में दुगना से भी अधिक का अन्तर है। छोटे व्यापारियों की इस से बढ़कर लूट और क्या हो सकती है ?

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस की बिहार राज्य कमेटी के अध्यक्ष तथा भूतपूर्व विधायक ने माइका उद्योग के सामने उपस्थित इस गम्भीर संकट के विषय में मिटको के अध्यक्ष तथा वाणिज्य मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखा तथा इसके चीफ मैनेजर से बातें भी की, फिर भी अब तक इस संकट का हल नहीं निकाला जा सका है ।

मिटको की इस लूट को बंद करने का एक ही रास्ता है और वह है विदेशी मूल्य तथा इसके खरीद मूल्य में ऐसा अन्तर रखा जाए जिससे छोटे व्यापारी कुछ मुनाफा कमा सकें और मजदूरों को उचित मजदूरी दे सकें ।

अभ्रक उद्योग में व्याप्त इस गम्भीर संकट को दूर करने की दिशा में सरकार को अविलम्ब आवश्यक कदम उठाना तथा वाणिज्य मंत्री को इस संबंध में सदन के सामने एक स्पष्टीकरण देना चाहिए ।

(vii) RAILWAY LINE BETWEEN SHAHJAHANPUR AND MAILANI

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : उत्तर प्रदेश में शाहजहानपुर से पुवायां हो कर मैलानी तक रेलवे लाइन डालना अत्यावश्यक है । लगभग 60 किलोमीटर लम्बे इस मार्ग में केवल एक पक्की सड़क है । यह गेहूं धान व गन्ना का उत्तर प्रदेश का सब से बड़ा क्षेत्र है । मार्ग में पुवायां व खुटीर टाउन एरिया हैं जो शीघ्र नगर पालिकाए बनने वाली हैं । पुवायां तहसील हैडक्वार्टर भी है। उपरोक्त मार्ग पर स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले रेलवे लाइन थी जो युद्धकाल में युद्ध आवश्यकताओं को देख कर अन्यत्र डाल दी गई । उस समय यह निश्चय किया गया था कि युद्ध के पश्चात् रेलवे लाइन फिर डाल दी जाएगी । जनता की मांग पर इस रेलवे मार्ग के लिए सर्वे भी कराया गया परन्तु रेलवे लाइन अभी तक नहीं पड़ी है । अत: सार्वजनिक महत्व के इस विषय पर रेलवे लाइन डालने के लिए मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करता हूं ।

12.31 hrs.

RE: MATTERS UNDER RULE 377

MR DEPUTY SPEAKER: Now, further consideration on the Statutory Resolution and the Bill... (*Interruptions*)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (New Delhi): Sir, before you take up that further discussion I would like to make a submission. Now, these 377-rule references are there. You allowed many members to raise matters of public importance under rule 377. Members make statements here on the floor of the House. But the Ministers do not even take cognisance of what is being read under Rule 377. I know you will cite the rule...

MR. DEPUTY SPEAKER: Mr. Vajpayee, we forward these things to the Ministry concerned. Whatever your suggestion is, it should be workable. Ministers have to be in this House and they have also to be in the other House.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: They do not take any cognisance.

SHRI SATISH AGARWAL (Jaipur): Under rules they are bot bound to reply here on the spot; they can choose to reply later; but at least some time-limit should be there. At least within a week's time they should reply.

MR DEPUTY SPEAKER: Your views have been noted.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (Jadavpur): You were good enough to accept some of these matters under